NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Chapter : 16

Chapter Name : पानी की कहानी

Book Name : वसंत

Q1 लेखक को ओस की बूँद कहाँ मिली?

Answer. ओस की बून्द बेर की झाड़ी पर से लेखक के हाथ पर आ गिरी|

Page : 106, Block Name : पाठ से

Q2 ओस की बूँद क्रोध और घृणा से क्यों काँप उठी?

Answer. पेड़ों की जड़ों के रोएँ ओस की बून्द के असंख्य कणों को पृथ्वी से खींच लेते हैं और उनका सबकुछ छीनकर उन्हें बाहर कर देते हैं| यही याद कर ओस की बून्द क्रोध और घृणा से काँप गयी|

Page : 106, Block Name : पाठ से

Q3 हाईड्रोजन और ऑक्सीजन को पानी ने अपना पूर्वज/पुरखा क्यों कहा?

Answer. जब ब्रह्मांड में पृथ्वी व उसके साथी ग्रहों का उद्भव भी नहीं हुआ था तब ब्रह्मांड में हाईड्रोजन व ऑक्सीजन दो गैसें सूर्यमंडल में लपटों के रूप में विद्यमान थीं| जब ब्रह्मांड में उथल - पुथल मच रही थी तब किसी उल्कापिंड के सूर्य से टकराने से सूर्य के टूकड़े हो गए उन्हीं टूकड़ों में से एक टुकड़ा पृथ्वी रूप में उत्पन्न हुआ और इसी ग्रह में ऑक्सीजन व हाइड्रोजन के बीच रासायनिक क्रिया के कारण ओस का जन्म हुआ| इसलिए बूँद ने इन दोनों को अपना पूर्वज कहा है।

aglasem.com

Page : 106, Block Name : पाठ से

Q4 “पानी की कहानी” के आधार पर पानी के जन्म और जीवन-यात्रा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

Answer. जब ब्रह्मांड में पृथ्वी व उसके साथी ग्रहों का उद्भव भी नहीं हुआ था तब ब्रह्मांड में हाईड्रोजन व ऑक्सीजन दो गैसें सूर्यमंडल में लपटों के रूप में विद्यमान थीं। किसी उल्कापिंड के सूर्य से टकराने से सूर्य के टूकड़े हो गए उन्हीं टूकड़ों में से एक टुकड़ा पृथ्वी रूप में उत्पन्न हुआ और इसी ग्रह में ऑक्सीजन व हाइड्रोजन के बीच रासायनिक क्रिया के कारण पानी का जन्म हुआ| पहले बून्द भाप के रूप में पृथ्वी के चारों ओर घूमती थी फिर बर्फ के रूप में आयी| फिर गर्म धारा की गर्मी से वह पिघलकर पानी बन गयी|

Page : 106, Block Name : पाठ से

Q5 कहानी के अंत और आरंभ के हिस्से को स्वंय पढ़कर देखिए और बताइए कि ओस की बूँद लेखक को आपबीती सुनाते हुए किसकी प्रतीक्षा कर रही थी?

Answer. ओस की बूँद सूर्य क◌े निकलने की प्रतीक्षा कर रही थी|

Page : 106, Block Name : पाठ से

Q1 जलचक्र के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिये और पानी की कहानी से तुलना करके देखिये की लेखक ने पानी की कहानी में कौन - कौन सी बातें विस्तार से बताई हैं |

Answer. पृथ्वी पर उपलब्ध जल के एक रूप से दूसरे में परिवर्तित होने की प्रक्रिया को जल चक्र कहते हैं| जल का स्वरूप स्थिति एवं जलवायु के अनुसार परिवर्तित होता रहता है । गैसीय अवस्था में वायुमण्डल में जलवाष्प के रूप में, ठोस अवस्था में सूक्ष्म हिम कणों के रूप में एवं द्रव अवस्था में जल बूंदों के रूप में पाया जाता है । लेखक ने पानी की कहानी में सब बातें विस्तार से बताई हैं|

Page : 106, Block Name : पाठ से आगे

Q2 "पानी की कहानी" पाठ में ओस की बूँद अपनी कहानी स्वयं सुना रही है और लेखक केवल श्रोता है | इस आत्मकथानक शैली में आप भी किसी वस्तु का चुनाव करके कहानी लिखें |

Answer. छात्र स्वयं करे |

Page : 106, Block Name : पाठ से आगे

Q3 समुद्र के तट पर बसे नगरों में अधिक ठण्ड और अधिक गर्मी क्यों नहीं पड़ती?

Answer. समुद्र के तट पर हमेशा नमी बनी रहती हैं जिसकी वजह से वातावरण एकसमान रहता हैं|

Page : 107, Block Name : पाठ से आगे

Q4 पेड़ के भीतर फव्वारा नहीं होता, तब पेड़ की जड़ों से पत्ते तक पानी कैसे पहुँचता हैं? इस क्रिया को वनस्पति शास्त्र में क्या कहते हैं? क्या इस क्रिया को जानने के लिए कोई आसान प्रयोग हैं? जानकारी प्राप्त कीजिये|

Answer - पेड़ के भीतर फव्वारा नहीं होता, तब पेड़ की जड़ों से पत्ते तक पानी संवहन की प्रक्रिया द्वारा पहुँचता हैं|

Page : 107, Block Name : पाठ से आगे

Q1 किसी भी क्रिया को संपन्न अथवा पूरा करने में जो भी संज्ञा आदि शब्द संलग्न होते हैं, वे अपनी अलग-अलग भूमिकाओं के अनुसार अलग-अलग कारकों में वाक्य में दिखाई पड़ते हैं; जैसे-“ वह हाथों से शिकार को जकड़ लेती थी।” जकड़ना क्रिया तभी संपन्न हो पाएगी जब कोई व्यक्ति (वह) जकड़नेवाला हो, कोई वस्तु (शिकार) हो जिसे जकड़ा जाए। इन भूमिकाओं की प्रकृति अलग-अलग है। व्याकरण में ये भूमिकाएँ कारकों के अलग-अलग भेदों; जैसे-कर्ता, कर्म, करण आदि से स्पष्ट होती हैं।

अपनी पाठ्यपुस्तक से इस प्रकार के पाँच और उदाहरण खोजकर लिखिए और उन्हें भलीभाँति परिभाषित कीजिए।

Answer.

I. मैं प्रति क्षण उसमें से निकल भागने की चेष्टा में लगी रहती थी। - मैं – कर्त्ता कारक

II. आगे एक और बूँद मेरा हाथ पकड़कर ऊपर खींच रही थी। पकड़कर – सबंध कारक

III. हम बड़ी तेजी से बाहर फेंक दिए गए। तेज़ी से – अपादान कारक

aglasem.com

IV. वह चाकू से फल काटकर खाता है। चाकू से – करण कारक

V. बदलू लाख से चूड़ियाँ बनाता है। लाख से – करण कारक

Page : 107, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com